2017 (A)

सामाजिक विज्ञान

द्वितीय पाली (Second Sitting)

समय : 2 घंटे 45 मिनट]

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : 2013 (A) का निर्देश देखें। [पूर्णांक : 80

ग्रुप-A : इतिहास (20 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

1. 'रक्त एवं लौह' की नीति का अवलम्बन किसने किया? 1
(क) मेजिनी (ख) हिटलर (ग) बिस्मार्क (घ) विलियम

2. स्पिनिंग जेनी का आविष्कार कब हुआ? 1
(क) 1967 (ख) 1764 (ग) 1773 (घ) 1775

3. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। 1
न्यूनतम मजदूरी कानून सन् ..... ई॰ में लागू हुआ।

4. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। 1
ओडिसा में ..... में ..... विद्रोह हुआ।

5. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें। 3
कोयला एवं लौह उद्योग ने औद्योगीकीकरण को गति प्रदान की। कैसे?

6. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें। 3
रूसी क्रांति के किन्हीं दो कारणों का वर्णन करें।

7. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें। 3
लार्ड लिंटन ने राष्ट्रीय आंदोलन को गतिमान बनाया। कैसे?

8. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें। 7
शहरीकरण की प्रक्रिया में व्यवसायी वर्ग, मध्यम वर्ग एवं मजदूर वर्ग की भूमिका की चर्चा करें।

अथवा,

भूमंडलीकरण के कारण आम लोगों के जीवन में आने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट करें।

ग्रुप-B : भूगोल (20 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

9. मरुस्थलीय मृदा का विस्तार निम्न में से कहाँ है? 1
(क) उत्तर प्रदेश (ख) राजस्थान (ग) कर्नाटक (घ) पंजाब

10. सीमेंट उद्योग का सबसे प्रमुख माल क्या है? 1
(क) चूना पत्थर (ख) बॉक्साइट (ग) ग्रेनाइट (घ) लोहा अयस्क

11. सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। 1
(i) मथुरा तेल शोधक कारखाना ..... राज्य में स्थित है। 1
(ii) भारत में कोयले का प्रमुख उत्पादक ..... राज्य है।

12. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें। 2
प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है?

13. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें। 3
भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का क्या महत्व है?

A A ONLINE SOLUTION

14. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
जलोढ़ मृदा से क्या समझते हैं? इस मृदा में कौन-कौन सी फसलें उगाई जा सकती है? 3

15. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।
चाय उत्पादन के प्रमुख भोगोलिक दशाओं का वर्णन करें। भारत में चाय उत्पादक तीन राज्यों के नाम लिखें। 7

अथवा,

पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को छायांकित कर नाम अंकित कीजिए–

(क) चावल उत्पादक क्षेत्र (ख) कोलकाता
(ग) चेन्नई (घ) काली मिट्टी का क्षेत्र (ङ) विशाखापट्टनम

ग्रुप-C : लोकतांत्रिक राजनीति (17 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

16. भारत में हुए 1977 के आम चुनाव में किस पार्टी को बहुमत मिला था? 1
(क) काँग्रेस पार्टी को (ख) जनता पार्टी को
(ग) कम्युनिस्ट पार्टी को (घ) किसी पार्टी को भी नहीं

17. क्षेत्रवाद की भावना का एक कुपरिणाम है 1
(क) अपने क्षेत्र से लगाव (ख) राष्ट्रहित
(ग) राष्ट्रीय एकता (घ) अलगाववाद

18. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें।
धर्मनिरपेक्ष राज्य से क्या समझते हैं? 2

19. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 100 शब्दों में दें।
भारत में लोकतंत्र के भविष्य को आप किस रूप में देखते हैं? 6

20. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 100 शब्दों में दें।
आतंकवाद लोकतंत्र की चुनौती है। कैसे? 3

21. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।
राजनीतिक दलों के प्रमुख कार्य बताएँ। 7

अथवा,

क्या शिक्षा का अभाव लोकतंत्र की लिए चुनौती है?

ग्रुप-D : अर्थशास्त्र (17 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

22. जिस देश की राष्ट्रीय आय अधिक होती है वह देश क्या कहलाता है? 1
(क) अविकसित (ख) विकसित
(ग) अर्द्ध विकसित (घ) इनमें कोई नहीं

23. प्रत्यक्ष कर के अन्तर्गत निम्न में से किसे शामिल किया जाता है? 1
(क) आय कर (ख) उत्पाद कर (ग) बिक्री कर (घ) इनमें कोई नहीं

24. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें।
कुल घरेलू उत्पाद क्या है? 2

25. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
किसी व्यक्ति की बचत करने की इच्छा किन बातों से प्रभावित होती है? 3

26. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
वित्तीय संस्थान से आप क्या समझते हैं? यह कितने प्रकार के होते हैं? 3

AA ONLINE SOLUTION

27. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें। 69
बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के क्या कारण हैं? वर्णन करें।

अथवा,

उपभोक्ता के कौन-कौन से अधिकार हैं? वर्णन करें। 7

ग्रुप-E : आपदा प्रबंधन (6 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

28. इनमें से कौन प्राकृतिक आपदा नहीं है?
(क) सुनामी (ख) बाढ़ (ग) भूकंप (घ) आतंकवाद 1

29. सूखा किस प्रकार की आपदा है?
(क) प्राकृतिक आपदा (ख) मानव जनित आपदा
(ग) सामान्य आपदा (घ) इनमें से कोई नहीं 1

30. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
बाढ़ के कारण एवं सुरक्षा संबंधी उपाय का वर्णन करें। 4

उत्तर (Answers)

1. (ग) 2. (ख) 3. 1948 ई॰ 4. 1914, खोड

5. वस्त्र उद्योग की प्रगति कोयला एवं लोहा उद्योग पर बहुत निर्भर करती है। इसलिए इन उद्योगों पर भी ध्यान दिया गया। सूत के व्यवसाय की उन्नति के साथ लोहे के व्यवसाय ने भी उन्नति की। ब्रिटेन में 1750 के लगभग पत्थर का कोयला प्रकाश में आया। 1730 में ही स्कॉटलैंड में पत्थर के कोयले से लोहा गलाने की नयी तकनीक सफलतापूर्वक काम में आने लगी थी। इंगलैंड में पत्थर के कोयले की खानें प्रचुर मात्रा में होने के कारण अब लोहे के कारबार की खूब उन्नति होने लगी और लोहे का उत्पादन सस्ता हो गया। हेनरी कॉटन ने लोहे को पिघलाकर विभिन्न आकृतियों में ढालने के तरीकों का आविष्कार किया। इस तरीके के आविष्कार से फौलाद के उद्योग की उन्नति हुई।

6. रूसी क्रांति के दो कारण—

(i) **जार की निरंकुशता एवं अयोग्य शासन :** जारशाही का इतिहास प्रजा पर किये गये अत्याचारों से रक्तरंजित था। निकोलस द्वितीय के शासन में भी घोर निरंकुशता एवं दमन का बोलबाला था। उसे आम लोगों के सुख-दुःख की कोई चिंता नहीं थी।

(ii) **मजदूरों की दयनीय स्थिति :** रूस में मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। श्रमिक वर्ग से अधिक-से-अधिक काम लिया जाता था और कम-से-कम वेतन दिया जाता था। वे गन्दी एवं तंग गलियों में रहते थे। वे स्थिति से संतुष्ट नहीं थे। साम्यवादी प्रचार ने श्रमिकों में जारशाही के प्रति घोर असंतोष उत्पन्न कर दी।

7. लॉर्ड लिटन के शासनकाल में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट देशी भाषा समाचार पत्र अधिनियम) 1878 पारित किया गया। इसका उद्देश्य देशी भाषा के समाचारपत्रों पर कठोर अंकुश लगाना था। अधिनियम के अनुसार भारतीय समाचारपत्र ऐसा कोई समाचार प्रकाशित नहीं कर सकते थे जो अंगरेजी सरकार के प्रति दुर्भावना प्रकट करता हो। इस प्रतिबंध से बचने के लिए प्रकाशकों को अपने लेखों की समीक्षा करवानी आवश्यक थी। भारतीय राष्ट्रवादियों ने इस अधिनियम का कड़ा विरोध किया। लॉर्ड लिटन के कानून से सभी राष्ट्रवादी एक स्वर में बोलने लगे। फलतः राष्ट्रीय आन्दोलन को एक नई संजीवनी मिल गई। राष्ट्रवादियों ने एकजुट होकर राष्ट्रीय भावनाओं को उभारने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

8. शहरीकरण की प्रक्रिया में व्यवसायी वर्ग, मध्यमवर्ग एवं मजदूर वर्ग की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

व्यवसायी वर्ग : शहरों के उद्भव का एक प्रमुख कारण व्यावसायिक पूँजीवाद के उदय के साथ संभव हुआ। व्यापक स्तर पर व्यवसाय, बड़े पैमाने पर उत्पादन, मुद्रा-प्रधान अर्थव्यवस्था, गतिशील एवं प्रतियोगी अर्थव्यवस्था, स्वतंत्र उद्यम, मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति, मुद्रा, बैंकिंग, बीमा आदि सेवाओं के विस्तार ने शहरीकरण की प्रक्रिया को और अधिक तेज कर दिया।

AA ONLINE SOLUTION

मध्यम वर्ग : शहरों के उद्भव और विकास में मध्यम वर्ग का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। एक शिक्षित वर्ग का अभ्युदय जहाँ विभिन्न पेशों में रहकर भी औसत एक समान आय प्राप्त करने वाले वर्ग के रूप में उभरकर आए एवं बुद्धिजीवी वर्ग के रूप में स्वीकार किए गए।

मजदूर वर्ग : आधुनिक शहरों में जहाँ एक ओर पूँजीपति वर्ग का अभ्युदय हुआ वहीं दूसरी ओर मजदूर वर्ग का। सामंती व्यवस्था के अनुरूप विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग द्वारा सर्वहारा वर्ग का शोषण प्रारंभ हुआ, परिणामस्वरूप शहरों में दो परस्पर विरोधी वर्ग उभरकर आए। श्रमिक वर्ग सुविधाविहीन वर्ग था जिनके पास रहने के लिए न तो आवास था और न खाने के लिए भोजन। वे स्लम में अपना जीवन-व्यतीत करते थे। धीरे-धीरे उनमें जागृति आई, मजदूरों ने संगठित होकर उचित मजदूरी और काम के घंटे के लिए आन्दोलन शुरू किये।

अथवा,

आर्थिक भूमंडलीकरण का प्रभाव वर्तमान समय में जीविकोपार्जन के क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। 1991 के बाद सेवा-क्षेत्र, बीमा-क्षेत्र, पर्यटन उद्योग, सूचना एवं संचार के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है। सेवा-क्षेत्र से तात्पर्य वैसी आर्थिक गतिविधियों से है जिसमें आमलोगों से विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ प्रदान के बदले पारिश्रमिक लिया जाता है। उदाहरण के लिए यातायात की सुविधा, बैंक और बीमा क्षेत्र में दी जानेवाली सुविधा, पर्यटन की सुविधा, दूरसंचार और सूचना तकनीक (मोबाइल, फोन, कम्प्यूटर, इंटरनेट), होटल एवं रेस्टोरेंट आदि। ये सभी क्षेत्र भूमंडलीकरण के दौरान काफी तेजी से फैला है जिससे लोगों को जीविकोपार्जन के कई नवीन अवसर मिले हैं। आर्थिक भूमंडलीकरण से सेवा-क्षेत्र का अप्रत्याशित विकास हुआ है। इससे हमारी आवश्यकताओं के दायरे को और उसी अनुरूप में बढ़ाया है। उसकी पूर्ति के लिए नए-नए सेवाओं का उदय हो रहा है, जिससे जुड़कर लाखों लोग अपनी जीविका चला रहे हैं। आज अनेक इंजीनियर तथा मैनेजमेंट (प्रबन्धन) की पढ़ाई किए स्त्री-पुरुष बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत हैं। यह भूमंडलीकरण का ही प्रभाव है कि आमलोगों का जीवन-स्तर बढ़ा है तथा उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। इससे बेरोजगारी की समस्या कुछ कम हुई है। सरकारी नौकरियों पर दबाव भी कम हुआ है।

9. (ख) **10.** (क)

11. (i) उत्तर प्रदेश (ii) झारखण्ड

12. प्राकृतिक संसाधन का मनुष्य के अस्तित्व और विकास के लिए अतिआवश्यक हैं। यदि इनका अंधाधुंध उपयोग किया जाता रहा तो इससे अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में संसाधनों की अहम् भूमिका होती है। परन्तु संसाधनों का अविवेकपूर्ण या अतिशय उपयोग विविध प्रकार के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय समस्याओं को जन्म देते हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न स्तरों पर संरक्षण की आवश्यकता है। संसाधनों का नियोजित एवं विवेकपूर्ण उपयोग संरक्षण कहलाता है।

13. भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्यत: कृषि पर आधारित है। देश में कुल जनसंख्या का लगभग 70 प्रतिशत लोग अपनी आजीविका के लिए कृषि पर आश्रित हैं।

भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए विभिन्न प्रकार के खाद्यान्न उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कृषि पर है। भारत की राष्ट्रीय आय का अधिकांश भाग कृषि से ही प्राप्त होती है। भारत में अधिकांश उद्योग कृषि से कच्चे माल प्राप्त करते हैं, जैसे—जूट, गन्ना, कपास, तिलहन, चाय इत्यादि। इन कच्चे पदार्थों की आपूर्ति पर देश के विभिन्न उद्योग टिके हुए हैं। भारतीय कृषि देश के निर्यात एवं विदेशी मुद्रा प्राप्त करने का भी साधन है। हमारे देश में प्रतिवर्ष कुछ कृषि उपजों का निर्यात किया जाता है जिनमें जूट, चाय, तिलहन, कहवा, तम्बाकू, कपास, लाह, मसाले आदि प्रमुख हैं।

14. जलोढ़ मृदा : जल द्वारा ऊँचे भूभाग से बहाकर लाए गए अवसाद से बनी मृदा को जलोढ़ मृदा कहते हैं। यह जीवाश्मों और पोषकों से परिपूर्ण होती है। यह सर्वाधिक उपजाऊ मापी जाती है। जलोढ़ मृदा का विस्तार उत्तर भारत के पूरे मैदानी क्षेत्र में है। राजस्थान तथा गुजरात के भी कुछ क्षेत्र में एक सँकरी पट्टी के रूप में इस मृदा का प्रसार है।

जलोढ़ मृदा गन्ना, चावल, गेहूँ, मक्का, दलहन—अरहर, चना, मूँग, उड़द, मटर, मसूर आदि) जैसी फसलों के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

15. चाय की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ—(i) चाय की खेती के लिए 25°C से 30°C तापमान की आवश्यकता होती है। (ii) सालाना वर्षा 200 सेमी से 250 सेमी चाय की खेती के लिए उपयुक्त

A ONLINE SOLUTION

है। (iii) ढालुवाँ जमीन आवश्यक है ताकि पानी का जमाव जड़ों के पास नहीं हो सके। (iv) पत्तियों के विकास के लिए आर्द्रता समान रूप से सालोंभर विपरीत होनी चाहिए। सुबह का कुहासा एवं प्रतिदिन की वर्षा पत्तियों की वृद्धि के लिए अत्यंत सहायक है। (v) नदियों के द्वारा लायी गई उपजाऊ मिट्टी चाय की खेती के लिए उपयुक्त है।

चाय के प्रमुख उत्पादक राज्य असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल हैं। भारत संसार का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है।

अथवा,

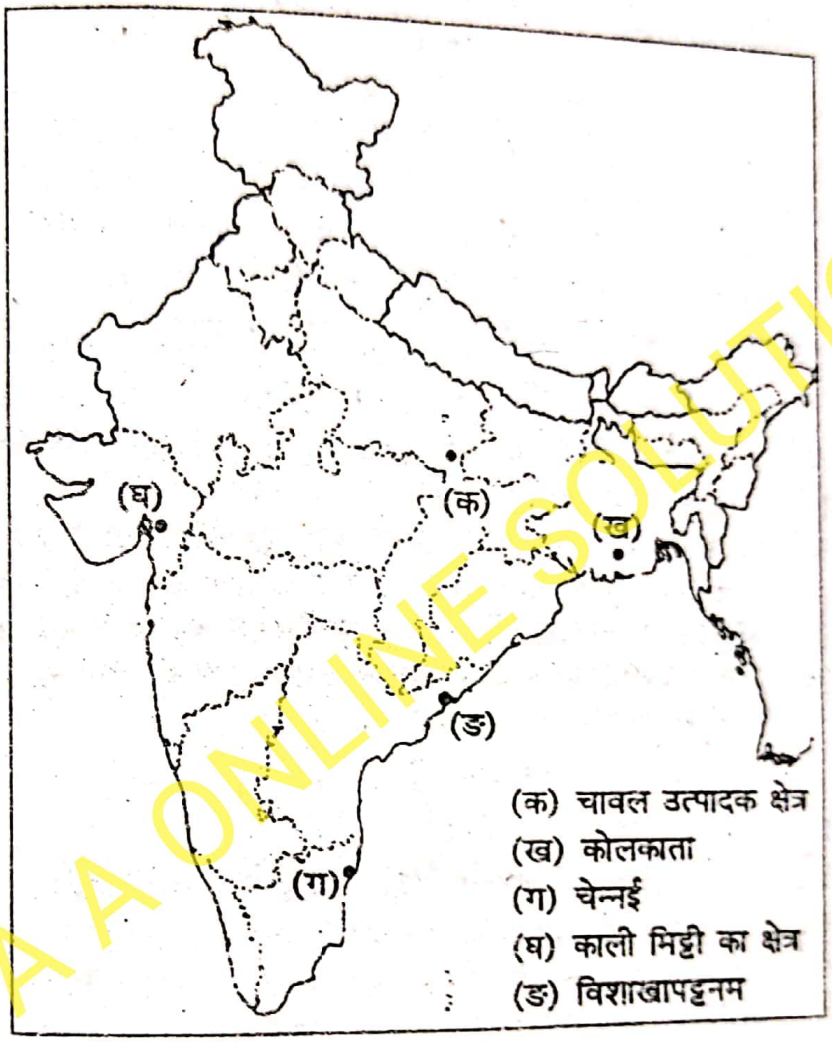

A A ONLINE SOLUTION

16. (ख) 17. (घ)

18. धर्मनिरपेक्षता एक ऐसी मान्यता है जिसके अंतर्गत यह माना जाता है कि किसी संप्रभु राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होगा। राज्य किसी भी धर्म-विशेष को न ही बढ़ावा देगा और न ही उसका विरोध करेगा। राज्य के लोगों की धार्मिक मान्यताओं में सरकार द्वारा किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा।

19. भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था पायी जाती है। इस शासन व्यवस्था के अंतर्गत जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनकर संसद या विधानसभा में भेजती है। वे प्रतिनिधि जनता की समस्या उठाते हैं और उनकी समस्या का निराकरण सरकार से कराने की कोशिश करते हैं। कभी-कभी तो ऐसी टिप्पणी भी सुनने को मिलती है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था तमाम शासन-व्यवस्था की तुलना में असफलता एवं पंगु है।

वास्तव में भारतीय लोकतंत्र विकास की ओर निरंतर अग्रसर है। यह सच है कि यहाँ लोकतंत्र के प्रति आशाएँ और निराशाएँ व्याप्त हैं फिर लोकतंत्र यहाँ खूब फल-फूल रहा है।

20. 2015 (A) (द्वितीय पाली) के प्रश्न-संख्या 20 का उत्तर देखें।

21. लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं—

(i) **नीतियाँ एवं कार्यक्रम तय करना :** राजनीतिक दलों का काम जनसाधारण का समर्थन प्राप्त करने के लिए नीतियाँ एवं कार्यक्रम तैयार करना है। अपनी इन्हीं नीतियों एवं कार्यक्रमों के आधार पर ये चुनाव भी लड़ते हैं। ये राजनीतिक दल जनसंचार के माध्यम से अपनी नीतियाँ एवं कार्यक्रम जनता के सामने रखते हैं और मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश करते हैं।

(ii) **लोकमत का निर्माण :** लोकतंत्र में जनता के समर्थन से ही सत्ता प्राप्त होती है। शासन की विभिन्न नीतियों पर लोकमत प्राप्त करना राजनीतिक दलों का काम है।

(iii) **शासन-कार्य चलाना :** राजनीतिक दल चुनावों में बहुमत प्राप्त करके सरकार का निर्माण करते हैं तथा जिन्हें बहुमत प्राप्त नहीं होता वे विपक्षी दल के रूप में सरकार पर नियंत्रण रखते हैं और सरकार को गड़बड़ियाँ करने से रोकता है।

(v) **सरकार एवं जनता के बीच मध्यस्थ का कार्य :** राजनीतिक दल जनता एवं सरकार के बीच मध्यस्थता का कार्य करता है। राजनीतिक दल जनता की समस्याओं और आवश्यकताओं को सरकार के समक्ष रखते हैं और सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को जनता तक पहुँचाते हैं।

अथवा,

लोकतंत्र के लिए शिक्षित होना अनिवार्य है। शिक्षित नागरिक ही अधिकारों और कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी रख सकते है और उनका सही उपयोग कर सकते हैं। लोकतंत्र का सफल परिचालन विभिन्न कार्यक्षेत्र में नागरिक की सक्रिय सहभागिता पर निर्भर है। यह सहभागिता तभी प्रभावी हो सकती है, जब नागरिक शिक्षित हो और सही गलत की पहचान हो। उन्हें अपने-अपने अधिकारों एवं दायित्वों का ज्ञान हो। यह विवेक ज्ञान, शिक्षा के बिना संभव नहीं है। अशिक्षित और पशु में अधिक अंतर नहीं होता है। वह अच्छे-बुरे की सही पहचान नहीं कर सकता है। अतः लोकतंत्र के लिए शिक्षित होना आवश्यक है।

22. (ख) 23. (क)

24. किसी देश अथवा अर्थव्यवस्था में किसी दिए हुए वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं की जो कुल मात्रा उत्पादित की जाती है उसे कुल घरेलू उत्पादन कहते हैं।

25. कोई व्यक्ति या समूह अपनी कुल आय को वस्तुओं एवं सेवाओं पर खर्च करता है। इस संदर्भ में वस्तु या सेवा को दो भागों में विभाजित किया जाता है— (i) तत्काल उपभोग में लायी जानेवाली वस्तु या सेवा। (ii) टिकाऊ वस्तु या सेवा। इस प्रकार आय का वह भाग जो चालू वस्तुओं को छोड़कर टिकाऊ वस्तु एवं सेवा के उपभोग पर खर्च किया जाता है, बचत कहा जाता है। इसे इसी प्रकार व्यक्त किया जाता है।

26. हमारे देश की वे संस्थाएँ जो आर्थिक विकास के लिए उद्यम एवं व्यवसाय के वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, ऐसी संस्थाओं को वित्तीय संस्थाएँ कहते हैं। ये वित्तीय संस्थाएँ राज्य द्वारा संपोषित होती हैं और देश के केन्द्रीय बैंक के दिशा-निर्देश के अन्तर्गत एक निश्चित मापदंड पर काम करती हैं।

वित्तीय संस्थाएँ मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं—(i) राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ, (ii) राज्य स्तरीय वित्तीय संस्थाएँ।

27. 2017 (A) (प्रथम पाली) के प्रश्न-संख्या 27 का उत्तर देखें।

अथवा,

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत हमारे देश के उपभोक्ताओं को ये अधिकार दिए गए हैं—(i) जान-माल के लिए खतरनाक वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री के विरुद्ध संरक्षण का अधिकार, (ii) वस्तुओं एवं सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, मानक और मूल्य-संबंधी सूचना का अधिकार, (iii) विभिन्न वस्तुओं को देख-परख कर चुनाव करने तथा प्रतिस्पर्द्धात्मक मूल्यों पर उन्हें प्राप्त करने का अधिकार, (iv) उपभोक्ताओं को उचित स्थान पर अपनी शिकायत दर्ज कराने का अधिकार, (v) अनुचित व्यापार तरीकों एवं शोषण के विरुद्ध न्याय पाने का अधिकार तथा (vi) उपभोक्ता प्रशिक्षण का अधिकार।

28. (घ) 29. (क)

30. **बाढ़ के कारण**—(i) लम्बे समय तक घनघोर जल वर्षा का होना नदियों की बाढ़ का मूल कारण है। (ii) जिन नदियों के मार्ग विसर्पों के कारण अत्यधिक घुमावदार होते हैं उनमें विसर्पों द्वारा अवरोध होने के कारण नदियों के स्वाभाविक जल विसर्जन में बाधा उपस्थित होने के कारण भी बाढ़ आती है। (iii) नदियों के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर वनों की कटाई के कारण वन-विनाश नदियों की बाढ़ के मानवजनित कारकों में सबसे महत्त्वपूर्ण कारक है।

बाढ़ से सुरक्षा संबंधी उपाय : बाढ़ की विभीषिका से बचने के लिए अनेक उपाय काम में लाये जाते हैं, जैसे—ढालू भूमि पर वृक्षारोपण, नदी तटबंधों का निर्माण, आवासीय स्थलों को ऊँचा करना, जल निकासी का प्रबंध, बाँध और जलाशयों का निर्माण, बाढ़ आगमन की चेतावनी और सुरक्षा कार्य।

□

A ONE SOLUTION